संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री (श्री रवीन्द्र वर्मा) : (क) और (ख). इन्दौर, मध्य प्रदेश के भविष्य निधि आयुक्त के विरुद्ध किसी गबन के बारे में कोई शिकायत नहीं है । भविष्य निधि की राशि छलपूर्ण ढंग से निकालने के कुछ मामले क्षेत्रीय कार्यालय, इन्दौर में पकड़े गए और इन मामलों को भविष्य निधि आयुक्त द्वारा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, स्थानीय पुलिस प्राधिकारियों के पास जांच के लिए भेज दिया गया । केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की रिपोर्ट प्राप्त हो गई है और उस पर विचार किया जा रहा है ।

Opening of Post Offices, Sub-Post Offices during Fifth Five Year Plan in Madhya Pradesh

3469. SHRI MADHAVRAO SCINDIA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) the number of post offices, sub-post offices opened in the villages of Madhya Pradesh during the Fifth Five Year Plan;

(b) the target fixed during the Plan period;

(c) whether its achievement is much behind the fixed target; and

(d) if so, the reasons thereof?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI BRIJ LAL VERMA): (a) 696 Branch Post Offices have been opened and 178 Branch Post Offices upgraded into Sub-Post Offices in the villages of M.P. during the first three years of the Fifth Five Year Plan.

(b) Madhya Pradesh Postal Circle has been assigned a target of opening 750 Branch Post Offices during 1977-78. Target for 1978-79 will be fixed on finalisation of the Annual Plan 1978-79.

(c) and (d). Do not arise.

Radio Sets in the country

3470. DR. RAMJI SINGH: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state how many radio sets are working in the country and how many of them are licensed and unlicensed and how much Government are losing every year?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI BRIJ LAL VERMA): The licences for working of radio sets are issued for the calendar year. The number of radio licences in force as on 31-12-76 was 1,73,59,710 and revenue collected was Rs. 23,50,82,179.50.

The number of radio sets which are being worked without valid licences and the loss of revenue on this account is not available.

विदेषी भाषाओं में दुभाषिये

3473. **श्री राघवजी** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार के पास हिन्दी विदेशी भाषाओं में तथा विदेशी भाषाओं से हिन्दी में अनुवाद करने के लिये कितने दुभाषिये मेवारत हैं;

(ख) क्या यह संख्या पर्याप्त है और यदि नहीं, तो पर्याप्त संख्या में दुभाषिये नियुक्त करने के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं; और

(ग) क्या देश के विश्व विद्यालयों में विदेशी भाषाओं के स्नातक, जो हिन्दी भी जानते हों पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हो जायेंगे ?

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) और (ख). विदेश मंत्रालय में भारत अस्थानी दुभाषियों के 27 पद हैं । इनमें से कई हिन्दी जानते हैं लेकिन यह कहना ठीक नहीं होगा कि ये लोग हिन्दी से विदेशी भाषा में और विदेशी भाषा से हिन्दी में आशु अनुवाद करने में सक्षम हैं । बहरहाल,